VIBRANT GANGA

घाघरा नदी

उत्तर भारत की जीवन रेखा

नमामि गंगे

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

विस्तृत जानकारी

- घाघरा एक बारहमासी नदी है जो मानसरोवर झील के पास तिब्बती पठार से निकलती है। नेपाल में इसे करनाली के नाम से जाना जाता है।
- घाघरा नदी हिमालय से होकर गुजरती है और भारत में ब्रह्मघाट पर शारदा नदी से मिलती है।
- घाघरा का कुल 1,27,950 वर्ग किलोमीटर जलग्रहण क्षेत्र है, जिसमें से 45% भारत के अंर्तगत आता है और शेष 55% नेपाल में है।
- घाघरा जल आयतन के हिसाब से गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी है और यमुना के बाद दूसरी सबसे लंबी सहायक नदी है।
- भारत में यह गंगा के मैदानी जैव–भौगोलिक क्षेत्र (7ए) से होकर गुजरती है।
- शारदा, सरयू, चौका, कुवाना, राप्ती, छोटी गंडक और झराही भारत में घाघरा की प्रमुख सहायक नदियॉं हैं।
- नदी का जल तंत्र दक्षिण–पश्चिम मानसून और हिमालय में हिमनदों के पिघलने से प्रभावित होता है।
- यह जलोढ़ के मैदानों मे घुमावदार मोड लेते हुए अक्सर अपने प्रवाह को बदलती रहती है और गोखुर झीलों का निर्माण करती है।

मुख्य विशेषताऐं

- नदी लगभग 1,080 किलोमीटर तक बहती है, जिसमें से 507 किलोमीटर नेपाल में है।
- भू–आकृति के आधार पर यह क्षेत्र एक अपलैंड टेरिस सतह, नदी घाटी टेरिस सतह, संकीर्ण बाढ़ के मैदानों के साथ वर्तमान नदी प्रणाली, प्राकृतिक लेवी और पॉइंट–बार जमाव को प्रदर्शित करती है।
- घाघरा नदी से 247 पौधों की प्रजातियों को दर्ज किया गया है।
- घाघरा नदी से गांगेय डॉलफिन (*प्लैटनिस्टा गैंजेटिका*), घड़ियाल (*गेवियलिस गेंजेटिकस*), और स्मूद कोटेड ओटर (*लूट्रोगेल पर्सपिसिलेटा*) को दर्ज किया गया है।
- घाघरा नदी से 24 फैमिली की मछलियों की कुल 62 प्रजातियों को दर्ज किया गया है।

घाघरा नदी को तीन क्षेत्रों मे विभाजित किया गया है–

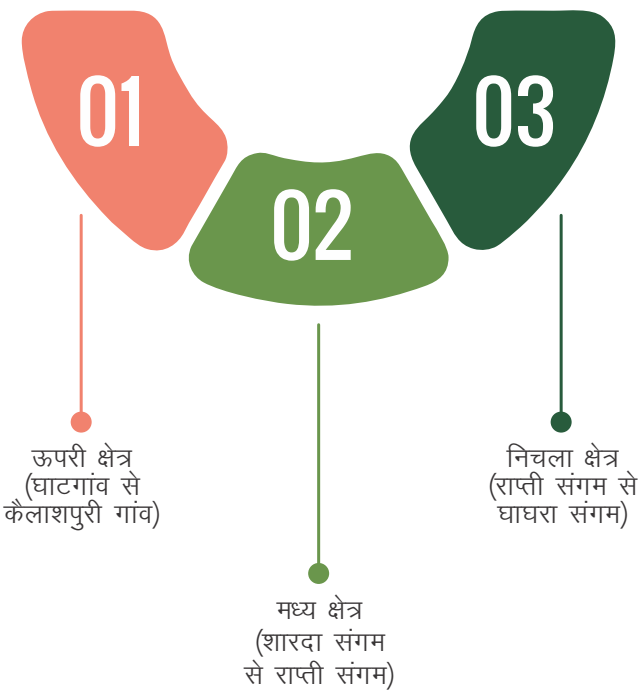

- कतरनियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य से जलपक्षियों की 57 प्रजातियां दर्ज की गई, और घाघरा नदी बेसिन में गिरवा नदी से जलपक्षियों की 63 प्रजातियों का दर्ज किया गया है।
- कतरनियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य में गिरवा नदी का हिस्सा, घाघरा बेसिन में, गंभीर रूप से संकटग्रस्त घड़ियाल (*गेवियलिस गेंजेटिकस*), और मग्गर (*क्रोकोडायलस पेलस्ट्रिस*) आबादी के लिए एक प्रजनन आवास है।
- घाघरा नदी बेसिन से कछुओं की नौ प्रजातियों को दर्ज किया गया है।

संकटग्रस्त (EN) प्रजातियाँ

सरीसृप
चित्रा

पक्षी
पनचीरा

स्तनधारी
गांगेय डॉल्फिन

प्रमुख संरक्षित क्षेत्र

- बर्दिया राष्ट्रीय उद्यान (नेपाल)
- रारा राष्ट्रीय उद्यान (नेपाल)
- कतरनियाघाट वन्यजीव अभ्यारण्य (भारत)
- दुधवा राष्ट्रीय उद्यान (भारत)

रोचक तथ्य

- भारत में नदी को सरयू के नाम से भी जाना जाता है। रामायण के अनुसार, नदी अयोध्या की जीवन रेखा थी, जहां राजा दशरथ ने शासन किया था।
- हिंदूओं के अनुसार सरयू मे डुबकी लगाना मोक्ष प्राप्त करना है क्योंकि माना जाता है कि भगवान राम ने दैविक रूप को प्राप्त करने के लिए सरयू नदी में खुद को विसर्जित कर दिया था।
- बाबर की मुगल सेनाओं और सुल्तान नुसरत शाह की बंगाल सल्तनत की सेनाओं के बीच 1529 में घाघरा नदी के तट पर लडाई लड़ी गई थी। घाघरा की लडाई मुगल साम्राज्य की भारत पर विजय, में महत्वपूर्ण थी। यह पानीपत की पहली लड़ाई के बाद हुआ था।
- नदी की ऊपरी क्षेत्र को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राफ्टिंग नदियों में से एक माना जाता है।

नदी-परिदृश्य (रिवरस्केप) को बदलने वाले कारक

- सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण के लिए 1976 में गिरिजा बैराज का निर्माण किया गया जिसकी वजह से बैराज के ऊपरी क्षेत्र (नेपाल) में डॉल्फिन की आबादी को काफी हद तक खंडित कर दिया है।
- घाघरा नदी के पास या किनारे पर मानव बस्तियों, घाटों के निर्माण, कृषि पद्धतियों ने नदी में कम निर्वहन अवधि के दौरान पार्श्व क्षरण (नदी किनारे का कटाव) को बढ़ा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप आवास का नुकसान हुआ है।
- नदी रेत पर खेती की वजह से विभिन्न पक्षियों और सरीसृप प्रजाातियों का शिकार और उनके घोसलों के लिए उपयुक्त आवास को क्षति पहुचती है।
- शहरीकरण के कारण झीलों में गाद की कमी या पूरी तरह से सूखने, जलकुंभी की वृद्धि और आर्द्रभूमि के अतिक्रमण के कारण घाघरा बेसिन की आर्द्रभूमि गंभीर रूप से खतरे में हैं।
- सतत रेत खनन और जल संचयन नदी प्रवाह को और जलीय आवास को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।

नमामि गंगे

एन एम सी जी
राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और
गंगा संरक्षण विभाग,
मेजर ध्यानचंद्र स्टेडियम, नई दिल्ली–110001

भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

जी ए सी एम सी
गंगा एक्वालाइफ कनजर्वेशन मॉनिटरिंग सेंटर
भारतीय वन्य जीव संस्थान
पोस्ट बॉक्स न. 18, मोहब्बेवाला, देहरादून–248002, उत्तराखंड
फोन न.- 91-135-260112-115
wii.gov.in/nmcg_phase2_introdution